

・ **新祝!叫すで**で EXTRAORDINARY

भाग II—**षण्ड 3—**उप-**षण्ड** (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

## प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 308] नई विल्ली, बृहस्पतिबार, जून 22, 1978/ आषाद 1, 1900 No 308] NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 22, 1978/ASADHA 1, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate puging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## वित्त मंत्रालय

(राजस्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 22 जून, 1978

का आ 404(प्र)—मैं, मा० रामजन्द्रन, प्रशासक, स्वर्ण (नियन्नण) ग्रादेश, 1968 (1968 का 45) की धारा 115 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 8 की उपधारा (6) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रपत्ती यह राय होने पर कि इसमें विनिर्विष्ट सामलों के वर्ग की विशेष परिस्थितियों में यह अपेक्षित हैं ——

- (1) भाग्तीय रिजर्व बैंक को मानक स्वर्ण छड़ों के रूप में प्राइमरी स्वर्ण त। प्रमाणित स्वर्णकारों को विकय करने, परिवत्त करने, स्थानान्तरिन करने या अन्यथा व्ययन करने के लिये प्राधिकृत करता ह; ग्रीर
- (2) ऐसे प्रमाणित स्वर्णकारों को भारतीय रिजर्व वैंक द्वारा इस प्रकार विकीत स्वर्ण को कय करने या प्रत्येथा प्रांजित करने के लिये प्राधिकृत करना हैं:

परन्तु यह तब जब इस प्रकार का कोई भी प्रमाणित स्वर्णकार किसी भी एक समय एक सौ प्राम से श्रिधिक मानक स्वर्ण छड़ों की माला का स्वामी नहीं होगा, श्रथवा उसे भ्रपने कब्जे, श्रभिरक्षा का नियंत्रण में नष्टी रखेगा।

[म० 10/78-फा॰सं॰ 139/17/78-जी॰सी॰-II(भा॰-II)]

मा० रामचन्द्रम, स्वर्ण नियंवण प्रशासक

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

## ORDER

New Delhi, the 22nd June, 1978

- **S.O** 404(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (6) of Section 8 read with sub-section (1) of Section 115 of the Gold (Control) Act, 1968 (45 of 1968), I, M. Ramachandran, Administrator, being of the opinion that special circumstances of the class of cases specified herein so require, hereby authorise—
  - (i) the Reserve Bank of India to sell, deliver, transfer or otherwise dispose
    of, primary gold in the form of standard gold bars to a certified
    goldsmith; and
  - (ii) such certified goldsmith to buy or otherwise acquire the gold so sold by the Reserve Bank of India:

Provided that no such certified goldsmith shall either own or have at any time in his possession, custody or control any quantity of standard gold bars in excess of one hundred grammes.

[No. 10/78 F. No. 139/17/78-GC. JI(Pt II)] M. RAMACHANDRAN, Gold Control Administrator.